मेवाड़ी ने लिकबा की अटकळ
मेवाड़ी लिखने का तरीका
(Mewari writing guide)

❐

छापबा को बरस: पोस सुदि, विकरम सम्मत २०८०

(जनवरी-2024)

❐

बरस- 24 अंक-1

निर्माण सोसायटी

फ्लेट नं. 4, प्रथम मंजिल, जानकी मोहन कॉम्पलेक्स,
पाँच बत्ती चौराहे के पास, उदयपुर रोड़, कपासन,
चित्तौड़गढ़, राजस्थान-312202

ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

www.mewari.org.in

☎ 01476-230014

त्यार करबावाळा:

रामसिंह च्यारण, रतन लाल गाडरी, माधु लाल गाड़री, गोवर्धन लाल जाट, रतन लाल जाट, मुकेश कुमार बैरवा, विकास शर्मा, सुरेश जोशी अन पूरण मल बैरवा

मदत करबावाळा:

रॉयसन नॉरमन डिसोजा (भाषा वैज्ञानिक सलाहकार), फेबा जोस, मैरी शैला डिसोजा, अनूप पटेल, नारायण लाल डाँगी अन हारई करमच्यारी (विवेकानंद विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर)

टाईप सैटिंग

रतन लाल योगी

मुल्य

एक प्रति 100/-रु.

मलबा को ठाणो:

फ्लेट नं. 4, प्रथम मंजिल, जानकी मोहन कॉम्पलेक्स, पाँच बत्ती चौराहे के पास,
उदयपुर रोड़, कपासन, चित्तौड़गढ़, राजस्थान-312202
ई-मेल: rajasthanlanguages@nirmaan.org.in
www.mewari.org.in
☎01476-230014

सब अधिकार सुरक्षित है।

प्रकाशक की अग्रिम लिखित अनुमति के बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग आण्विक, यांत्रिकी, रिकॉर्डिंग व अन्य किसी भी रूप में या अन्य माध्यम से पुन: उत्पादित नहीं किया जा सकता है और न ही पुन: प्राप्ति पद्धति में इसका भंडारण किया जा सकता है या प्रसारित किया जा सकता है।

ओळक-पेचाण (जाणकारी)

लाडला भणबावाळा,

थाँने या बात बताबा में माने घणी खुसी वेर्री, के आपणी मेवाड़ी बोली एक अस्यी बोली हे जिने बोलबा में घणो मजो आवे। ईं बोली ने आपणा दाना-भुडा ठेटऊँ बोलता आर्या। जदी कुई ईं बोली ने बोले तो एक न्यारोई आपणोपण छळके।

या बोली चित्तोड़, उदेपर, राजसमन्द, भीलाड़ा अन आदा परतापगड में सबाऊँ हेली बोले। परदेसी भासा के आबाऊँ आपणी मेवाड़ी बोली धीरे-धीरे खतम वेती जारी। मेवाड़ इलाका का लमसम नेऊ (90) परतीसत दाना-भूडा, लुगायाँ अन मोट्यार ईं बोली ने बोले।

ईं किताब मूँ माकाणी थाँने मेवाड़ी वरणमाळा ने कस्यान बाँचे अन हमजे, ईंका बारा में बतार्यां हाँ। या किताब थाने मेवाड़ी बोली ने भणबा अन लिकबा में मदत केरी। थाँने ईं किताब में ज्यो बी संका हे, विंने खुलन बताज्यो, जिऊँ माकाणी थाँका बिच्याराँ ने ईं किताब में लिक सकाँ अन ईंमें ओर हुदार कर सकाँ।

निर्माण सोसायटी

कपासण, चित्तोड़

nirmaan
empowering communities

मेवाड़ को नंगसो

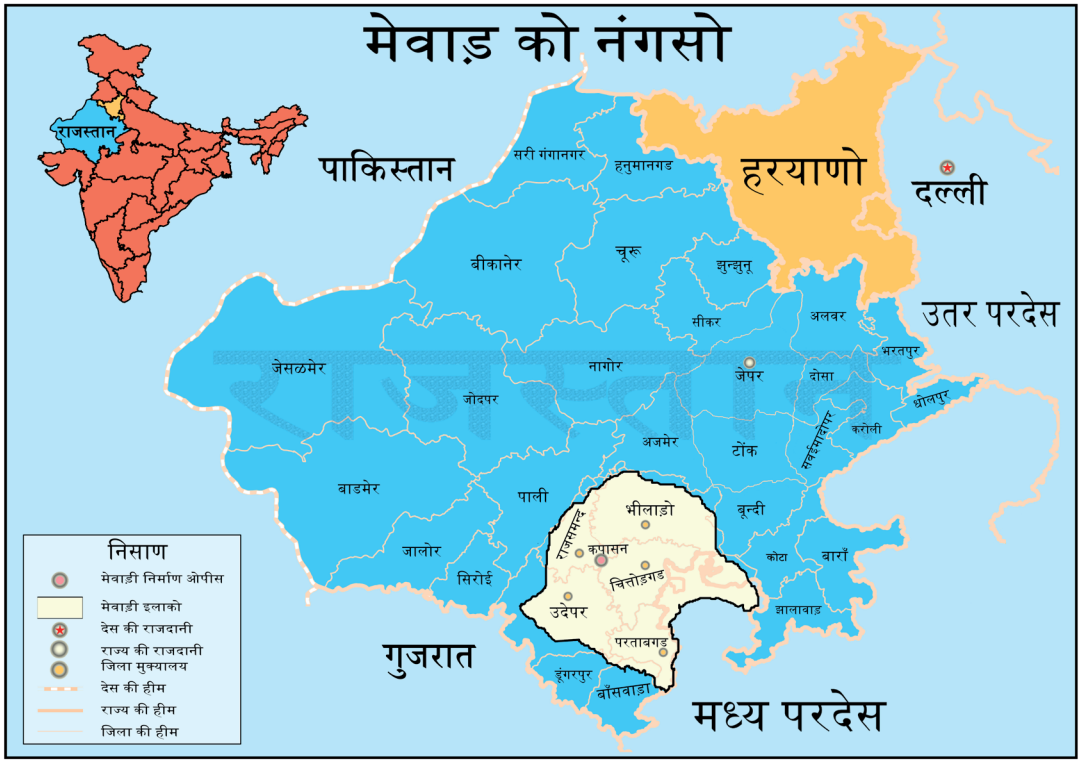
मेवाड़ को नंगसो
राजस्तान
पाकिस्तान
सरी गंगानगर
हनुमानगड
हरयाणो
दल्ली
बीकानेर
चूरू
झुन्झुनू
सीकर
अलवर
उतर परदेस
भरतपुर
जेसळमेर
नागोर
जेपर
दोसा
धोलपुर
जोदपर
करोली
सवईमाधोपर
अजमेर
टोंक
बाडमेर
पाली
भीलाड़ो
बून्दी
राजसमन्द
कपासन
जालोर
सिरोई
चित्तोड़गड
कोटा
बारॉं
उदेपर
झालावाड
परतावगड़
गुजरात
इंगरपुर
बाँसवाड़ा
मध्य परदेस
निसाण
मेवाड़ी निर्माण ओपीस
मेवाड़ी इलाको
देस की राजदानी
राज्य की राजदानी
जिला मुक्यालय
देस की हीम
राज्य की हीम
जिला की हीम

मेवाड़ी अक्कर

आपणी मेवाड़ी बोली में 9 सवर अन 31 वेंजण हे

सवर

अ	आ	इ	ई	उ
ऊ	ए	ओ	अं	

वेंजण

क	ख	ग	घ	
च	छ	ज	झ	
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	स
ह	ळ	ड़		

स्वर मातराँ

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ओ	अं	अँ
	ा	ि	ी	ु	ू	े	ो	ं	ँ

मेवाड़ी वेंजण अन वाँका आदा अक्कर

अक्कर	आदा अक्कराँ का उदारण
क	क्यारो
ख	ख्याल
ग	ग्यान, ग्यारस, ग्वाँर, ग्यानी
च	च्यार, च्यारूँमेर
छ	मूँछयाँ
ज	ज्वार
ट	पाटयो, फेंटयो, फाटयो
ड	पाडयो, बाडयो

ढ	ढ्रूण्डो
ण	बाण्यो, काण्यो, खाण्ड
त	त्यार, धोवत्यो, पाँत्यो
द	द्याड़ी, लाद्यो, आँद्यो
ध	ध्यान
न	न्यारो, न्याल, न्यावटो
प	प्यालो, प्याऊ
फ	फफ्यो
ब	ब्याव, ब्याज, ब्याणो, ब्यान, ब्याळू
म	म्याळ, म्यान, म्याद
र	मारर्यो, जार्यो, आर्यो
ल	ल्याज, मोल्यो, खाल्यो
स	स्याप, जस्यान

ळ	कोळळो, फाळयो, नाळयो
ड़	खोड़्यो, पड़्यो, बाड़्यो, जाड़्यो

सवर सरू, बचमें अन पाछेवाळा सबद

अक्कर	पेलो	अरत	बचलो	अरत	पाछलो	अरत
अ	अमल	अफीम				
आ	आकरो	तेज			भुआ	पिता की बहिन
इ	इलाको	क्षेत्र	कोइने	नहीं		
ई	ईंट	ईंट	सनीमो	सिनेमा	सई	स्याही
उ	उगाड़ो	अनावरण	अउगो	स्वयं का		
ऊ	ऊन	ऊन	अऊदऊ	बिना इज्जत वाला	धकऊ	काम चलाने योग्य
ए	एकवड़ा	एक परत	जमेरी	एक प्रकार का नींबू	पछे	पीछे
ओ	ओडको	बिजूका	बाजोट्यो	बाजोट	आओ	आना
अं	अंगरकी	अंगरखा	आसंग	बीमार		

वेंजण सरू, बचमें अन पाछेवाळा सबद

अक्कर	पेलो	अरत	बचलो	अरत	पाछलो	अरत
क	कळस	कलश	ढाकण्यो	ढक्कन	लाक	लाख
ख	खन्दाणो	भेजना	खरखरी	खरास		
ग	गजई	अनेक पेरों वाला कीड़ा	ठगारो	ठग	साग	सब्जी
घ	घर	घर	ओघड़	अघोरी		
च	चसको	रूचि	कूँचड़ी	छोटा ब्रुश	काच	काँच
छ	छड़	रहँट	बिछुड़्या	बिछिया	खाटी छा	छाछ
ज	जगत	संसार	गाजणो	गर्जना	मगज	दिमाग
झ	झरणो	झरना	झाँझाजळको	संध्याकाल		
ट	टपरी	टप्पर	टिटोड़ी	टिटहरी	ठेट	अन्तिम स्थान
ठ	ठग	ठग			कण्ठ	कंठ
ड	डइचो	दहेज	डागडर	चिकित्सक	डण्ड	डण्ड
ढ	ढकळ्यो	मिट्टी का ढेला				
ण			तणका	तनख्वाह	पाण	बल
त	तळाव	तालाब	तीतर	तीतर	हात	हाथ
थ	थम्बो	खम्भा	पलोथण	पलेथन	तथ	तिथि
द	दड़बो	मिट्टी का ढेला	बादळो	बादल	बळद	बैल

ध	धणो	धनिया				
न	नळ	नल	मनक	मनुष्य	पान	रस्सी
प	परेवड़ो	कबूतर	पापड़	पापड़	पाप	पाप
फ	फळ	फल	फुँफाड़ी	एक प्रकार की छोटी सहनाई		
ब	बळद	बैल	राबड़ी	रबड़ी	हज्याब	घाघरे के निचले भाग की पट्टी
भ	भइदो	गोबर	भड़ाभस	आवाज		
म	मन्दर	मन्दिर	मनमानी	मनमानी	मलम	मरहम
य	यार	मित्र	कायदो	कायदा	परलेय	परलय
र	रत	ऋतु	बरका	वर्षा	गडार	रास्ता
ल	लकण	ढंग	पालणो	टोकरा	खाल	चमड़ी
व	वळ	गाँठ/मरोड़	जेवड़ी	रस्सी	अड़ाव	रुकावट
स	सपई	सिपाई	सुसणो	सूखना	अळस	अलसी
ह	हळ	हल	गेरहाजर	अनुपस्थित	बजह	वजह
ळ			बळद	बैल	अकराळ	असामयिक
ड़			तड़कणो	चटकना	काँकड़	जंगल

मेवाड़ी लिकबा को नेम

1. **“ँ” अनुनासिकता** यानी नाक मूँ बोलबावाळा निसाण। यो निसाण खाली स्वर की मातरा पेई आवे अन **नासिक्य “ं”** यो निसाण सवर अन वेंजण दोयाँ के उपरे आई।

- हारई मोटा स्वराँ में “ँ” (चन्दर बिन्दू) ने काम में लेवाँ अन फोरा स्वराँ में खाली “ं” (नासिक्य) ने काम में लेवाँ हाँ।

जस्यान: आँख, अंगरकी

- **क, ख, ग, घ, च, छ, ज** अन **झ** वरणा का पेल्याँ आबावाळा नासिक्य वेंजण ने लिकबा का बाते, विऊँ पेल्याँ आबावाळा अक्कर के ऊपरे बिन्दी **“ं”** लगावाँ।

जस्यान: अंग, पंज्यो

- **ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब** अन **भ** वरणा का पेल्याँ आबावाळा नासिक्य **(ण, न, म)** वरण ने लिकबा का बाते, वाँ वरण का पेल्याँ आदा नासिक्य अक्कर के लारे लिक सकाँ कन पेल्याँ आबावाळा अक्कर के ऊपरे बिन्दी “ं” लगावाँ।

जस्यान: टाण्ड / टांड, तन्त / तंत, तम्बू / तंबू

2. हिन्दी भासा का ये अक्कर (सवर) **“ऋ, ऐ, औ, अः** (वेंजण) **ष, श, क्ष, त्र, ज्ञ, ढ़”** ये हारई अक्कर मेवाड़ी में काम ने आवे।

3. **“ळ”** अक्कर मेवाड़ी भासा कोइस अक्कर हे, यो हिन्दी भासा में कोइने।

4. मेवाड़ी में “कर्म” ने **‘करम’** लिकाँ। पण **“र”** अक्कर कस्या भी सबद में दो दाण आर्यो हे तो आपाँ विंने **“र्र”** लिकाँ।

जस्यान: “थर्राबो”। (काँपना)

5. मेवाड़ी सबदाँ का बचमें ‘महापराण’ अक्कर **“ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, थ, ध, फ, भ”** कम आवे। हिन्दी में जटे-जटे सबदाँ का बचमें महापराण अक्कर आवे, वाने मेवाड़ी में अल्पपराण **“क, ग, च, ज, ट, ड, त, द, प, ब”** अक्कराँ का जस्यान बोलाँ अन लिकाँ।

जस्यान: हिन्दी में **बाँधना** को मेवाड़ी में **बाँदणो** लिकाँ। (ईं सबद में हिन्दी में “ध” की जगाँ मेवाड़ी में “द” काम में आवे।)

केणीयाँ

1. सुरगली अन वान्दरो

एक दाण काँकड़ में एक सरकली रेती ही। वा सरकली रोज काँकड़ में जाती अन आपणा गुँवाळा रे बाते चारा रा नाना-नाना तुरकल्या भेळा करन आपणा तीका मुण्डा में पकड़न लाती। एक मोटा वड़ला रा गोळला पे गुँवाळो वणावती, वणीस वड़ला पे एक वान्दरो रेतो हो। वणी वान्दरा ने वा सरकली केती के, वान्दरा मामा थूँ बी थारे घर वणाइले, थोड़ा दन केड़े वरका आवेला, तो थूँ कटे जावेला। अणीबात पे वान्दरो केतो थूँ थारे वाते घर वणाईले, मारे हरिका रे घर कोनी चावे।

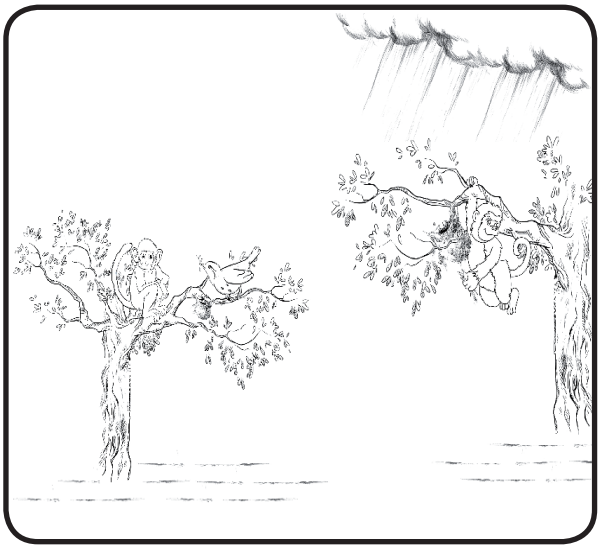

थोड़ा दना केड़े घणी जोरू वरका वरवा लागी। वा सरकली आपणा गुँवाळा में जार मोज मूँ बेटगी, अटिने वान्दरो मामो वणी मोटा वड़ला पे हुक-हुक करीन जोर जोर मूँ फुदकवा लाग्यो। थोड़ी घणी देर केड़े वणी वान्दरा री नजर सरकली रे वणाया तका गुँवाळा पे जा पड़ी। जट वणी वान्दरा रे मन में एक बच्यार आयो। अन वो मन-मन होच्यो मूँ तो अणी वरका मे पाणिऊँ भीज रियूँ। या सरकली आपणा गुँवाळा में हपी ने बेठी हे। जट वो वान्दरो फुदकतो तको जाने सरकली रे गुँवाळा ने जान पकड़्यो। गुँवाळा ने पकड़ीने जोरूँ खेंच्यो अन गुँवाळा ने तोड़ीन फेंकी दिदो। बेच्यारी सरकली वणी गुँवाळा रे हण्डे जमीन पे जा पड़ी अन वो वान्दरो फुदकतो फुदकतो काँकड़ में परोग्यो। वटीने वा सरकली वरका में पूरी आली वेईगी अन वनो गुँवालो भी खत्म वेईगो।

सिक्साः मुरकाँ ने कदी सिक्सा नी देणी चावे।

2. टाट में जरबा

एक गाम में एक माराज कता करीरा हा, कता में माराज बतायो के कणी बी इंसान ने मनसा पाप नी करणो छावे। वणी कता में एक भोळो आदमी बी हुणबा आयो हो। वाँ माराज वाळी वात, वणी रे हमज में आईगी। थोड़ा दन केड़े गाम में एक मोत वेइगी। सब जणा ग्यारमा रे दन घाटो करवा ग्या। वणी घाटा में एक जणो सबूँ पेली आपणे माथा रा बाळ कटाई ने छेटी बेटो हो अन तावड़ाऊँ वणिरी टाट चलकरी ही। वीं आदमी री नजर वणी टाट माते पड़ी, वणी रे मन में अई के अणी टाट में दो-च्यार जरबा पड़्या वे तो कस्योक रे। थोड़ोक आगे ग्योन वणी ने माराज वाळी वात याद आइगी। वो तो पाछो फर्योन 'आव देक्यो, न ताव' दो च्यार जरबा ताणी ने टाट में मेली दिदा। सब जणा क्यो की बेचारा री टाट कुटी नाकी।

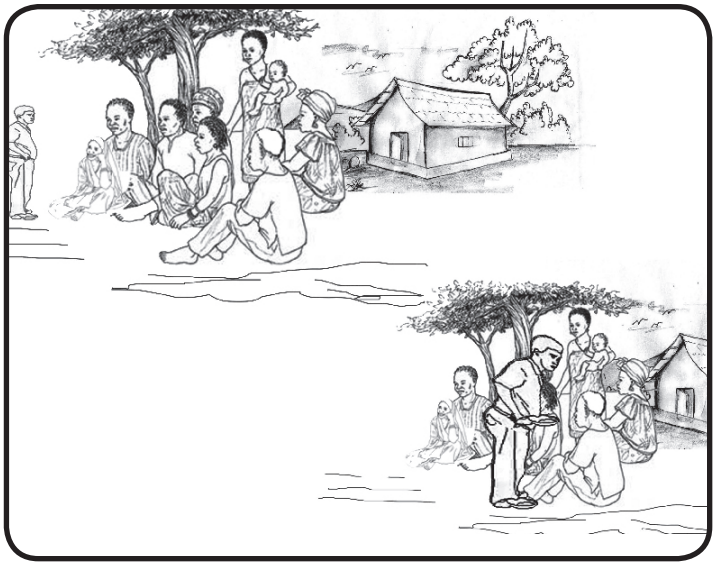

सब जणा पुँछ्यो की थारे कई लेण देण हे कन कई लड़ई झगड़ो हे थें ठोकी काँ? तो वो आदमी बोल्यो के, मूँ तो अणी ने जाणुई कोइनी। तो सब जणा बोल्या, तो पछे थें ठोकी काँ? वो आदमी क्यो में ठोकी दिदी, अबे थाणे 'जो करणो वे जो करी लो'। सब जणा विसार कीदो की यो तो वेण्डो हे। सब जणा मलीन वणी रे पाँच रिप्या डण्ड कीदो। वणी आदमी आपणा खुल्या में हात गाल्यो तो दस रिप्या री नोट निकळी। वणी तो 'आव देक्यो, न ताव' दो-च्यार जरबा फेर मेली दिदा। सब जणा बोल्या के थें पेली गलती करी नाकी, थारे डण्ड-डोर बी करी नाक्यो फेर थें काँ ठोकी? वो आदमी बोल्यो के, मारे कोड़े खुल्ला रिप्या कोनी हा। ये लो! दस रिप्या आपणो हिसाब-किताब बराबर।

3. मेनत को फळ

एक टेम री वात हे कि एक दाण एक डोकरा बा हा, वणारे च्यार छोरा हा। वे घणा आळका खोर हा। काम कई नी करता अन भेळा वेइने लड़ता हा। थोड़ा दना केड़े डोकरा बा समाईग्या हा। धीरे-धीरे वणा च्यारी छोरा रे खावा रा लाला पड़वा लागीग्या हा। वणा री हालत घणी बुरी वेइगी ही।

वणी गाम में एक दाना डोकरा बा हा। वणा च्यारी छोरा ने हमजाया के थारा बाप कने घणो धन हो, पण वणी धन ने थारे खेताँ माँई घाड़ राक्यो हे। थाँ सब जणा जाई ने खेत ने खोदो, थाने वो धन मली जावेला। डोकरा बा री वात वणा च्यारी छोरा रे हमज में आइगी ही। वी च्यारी छोरा जइने पूरा खेत ने खोदी नाक्यो पण वणा ने धन नी मल्यो, तो वे च्यारी छोरा मली ने डोकरा बा कने पाछा ग्या।

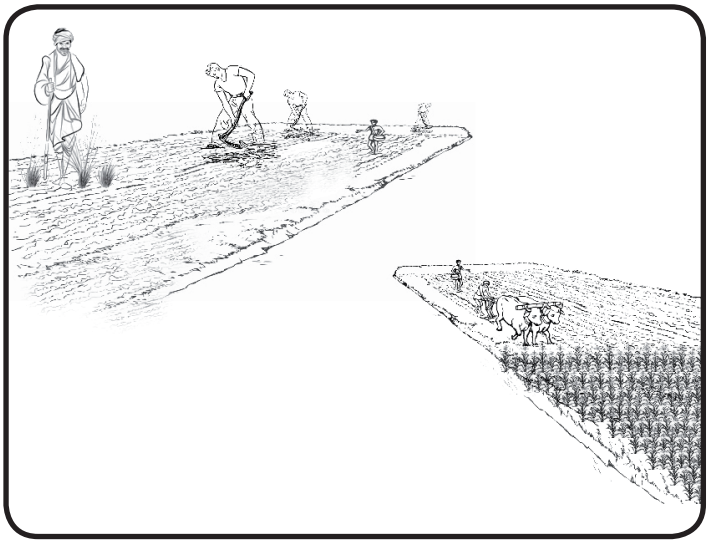

वणा वाँ बासाने क्यो के थाँकाणी क्यो ज्यो धन तो मल्योई कोइने, तो डोकरा बा क्यो के अबे थाँ सब मली ने खेत खोदी नाक्यो हे। जदी वरका वरे अन खेत में जइने टेम रेता बीज वाई देणो। च्यारी छोरा के या वात हमज में अइगी ही, तो ज्युँई वरका वरी अन च्यारी छोरा खेत में बीज वाई दिदो। थोड़ा दना केड़े खेत में हाक लेरावा लागी तो च्यारी बेटा घणा-घणा राजी व्या। वणा च्यारी छोरा री मेनत रंग लई।

4. एक बेण्डो अन एक बेण्डी

एक दाण एक गाम में एक बेण्डो अन बेण्डी रेता हा। बेण्डो रोज काँकड़ में जातो, टीण्डका लेन आतो अन वींको गुजारो करतो हो। एक दन बेण्डो आयो अन वींकी लुगई ने क्यो आज मने थकेलो आग्यो, मारे बाते पाणी उनो कर दे, ज्यो मूँ हाँपड़ लूँ। बेण्डी क्यो के हाँ, मूँ थाँके पाणी उनो कर नाकूँ। वीं क्यो के अस्यो करो के, वो हाण्डो पड़्यो जो अटे लावो। वो हाण्डो लेन आयो। पछे क्यो के, अबे ईं हाण्डा ने लेन जावो अन कुड़ा मूँ पाणी भर लावो। वो कुड़ा मूँ पाणी लेन आयो। वीं क्यो के, अबे ईं हाण्डा ने सुल्ला पे मेलो। वीं सुल्ला पे मेल्यो अन क्यो के, अबे कई करूँ? बेण्डी क्यो के, अबे मइने टीण्डका लगाओ अन ईंने चेताओ। उनो वेजावे तो वींने तगारा में कूडन हाँपड़ लो। वो पाणी उनो कर नाक्यो अन हाँपड़बा परोग्यो हो। वो हाँपड़तो जार्यो हो अन केर्यो हो के, आज तो आरामऊँ हाँपड़ लीदो अन मारो जीव बी होरो वेग्यो। वो बेण्डी ने केतो जार्यो हो, के अस्यान रोज मारे पाणी उनो कर देवे, तो कतरो हऊ रेवे। बेण्डी क्यो के, मने कई जोर आर्यो थाँकाणी आळका लेवो। जावो अबे हू जावो।

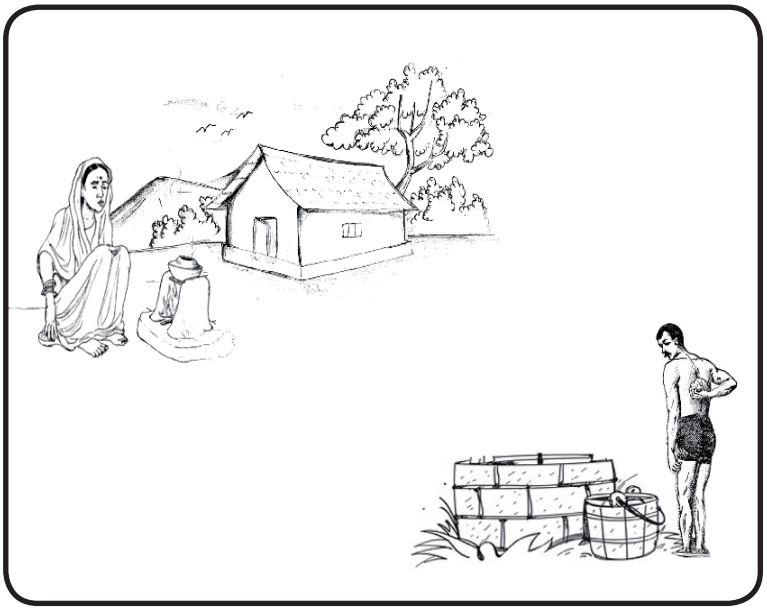

मेवाड़ी भासा की गणती

गणति	मेवाड़ी	गणति	मेवाड़ी	गणति	मेवाड़ी
1	एक	18	अटारा	35	पेंतीस
2	दो	19	उगणीस	36	छत्तीस
3	तीन	20	बीस	37	हेंतीस
4	च्यार	21	अक्कीस	38	अड़तीस
5	पाँच	22	बाईस	39	गुण्चाळीस
6	छे	23	तेईस	40	चाळीस
7	हात	24	चोईस	41	अगताळीस
8	आट	25	पच्चीस	42	बियाँळीस
9	नो	26	छाईस	43	तियाँळीस
10	दस	27	हताईस	44	चम्माळीस
11	ग्यारा	28	अटाईस	45	पेंताळीस
12	बारा	29	गुणतीस	46	छिंयाळीस
13	तेरा	30	तीस	47	हेंताळीस
14	चउदा	31	अगतीस	48	अड़चास
15	पन्दरा	32	बत्तीस	49	गुणपचास
16	होळा	33	तेंतीस	50	पचास
17	हतरा	34	चोंतीस	100	हो
500	पान्सो	1000	हजार	10000	दस हजार
100000	एक लाक				

अ

अँवळई चक्कर लगाना
अंगरकी बुजुर्ग व्यक्तियो के पहनने का कुर्ता
अंगूर अंगूर
अंदारो अंधेरा
अइन्दे अगली बार
अक्कर अक्षर
अकाड़ो अखाड़ा
अकाळ अकाल
अगऊँ पहले
अगर अगर
अटक्यो अटकना
अटे यहाँ
अड़ी हठ
अदबचे, अदबचमें बीच में
अलग अलग

आ

आँतरे - पाँतरे एक दिन छोड़कर एक दिन
आँक आँख
आई आएगा
आओ आना
आकिर आखिर
आच्छो अच्छा
आमली इमली

इ

इसको ईर्ष्या भाव

ई

ईके इसके
ईको इसका
ईट ईंट
ईपरे इस पर
ईद ईद, त्यौहार
ईने इसको
ईर एक जाति
ईस खाट का एक भाग
ईस्टेन साइकिल का स्टेंड

उँसी उपर
उकाळो उबालना
उगई वसूली
उगाड़ो बिना आवरण
उगाणो पूर्व दिशा
उगासणो उठाना
उगेरणो शुरु करना
उटपटांग अवस्थिती
उड उड़ना
उदई दीमक
उदार उधार
उन्दालो गर्मी का मोसम
उन्दाळी रबी की फसल
उन्दो उल्टा
उबासी लम्बी साँस लेना
उबी खड़ी
उल्टो उल्टा
उसळणो उछलना

ऊ

ऊँकळी ओखली
ऊँगणो ऊँघना
ऊँचो ऊपर
ऊडी उड़ना
ऊगणो उदय होना
ऊट उठना
ऊन ऊन
ऊन्दरी चुहिया
ऊन्दरो चुहा
ऊपरे ऊपर
ऊबताळ अचानक
ऊस खार

ए

एक संख्या
एक मेक सम्मिलित
एकवड़ा, एकेवड़ा- एक परत
एकलो एकेला
एकदम अचानक होना
एकम प्रतिपदा (एकम) तिथी
एकमत सहमत
एकमुस, एकमुस्त एक साथ

एकली	अकेली		व्रत, उपवास
एकासणो,एकान्नो		**एगट**	एकेता

ओ

ओघड़	अगोरी	**ओलाद**	ओलाद, बच्चे
ओडको	बिजूका	**ओळा**	ओला
ओडनी, ओन्नी	ओढ़नी	**ओसाण**	तरिका
ओळकणो	पहचानना	**ओलार**	हल्की बरसात
ओळकाण	जान पहचान		

क

कई	क्या	**काच**	काँच
कचाकच	लड़ाई	**काजळ**	काजल
कटे	कहाँ	**काडणो**	निकालना
कटे बी	कहीं भी	**कानड़ो**	कान
कण्ट	कण्ठ	**काम चलऊ**	काम चलाने योग्य
कमाऊ	कमाने वाला व्यक्ति	**कुचर**	खुजली करना
कमेड़ी	दाँतो की गंदगी	**कूँचड़ी**	छोटा झाड़ू
कलम	कलम	**कोळळो**	कद्दू
काँचळी	केंचुली		

ख

खटारा	खटारा, खराब	**खावो**	खाना
खबर	खबर	**खीचड़ी**	खिचड़ी

गँऊ	गेहुँ
गण्टऊ	स्वयं के
गऊ	गाय
गऊ-मूत	गाय का मुत्र
गऊ-सन्नोट	चारागाह
गडुची	मटका रखने की वस्तु
गतक	आदत
गतकली	गुदगुदी
गमछो	तौलिया
गरब	घमण्ड
गड़ा	ओला
गलत	गलत
गांजो	गाँजा
गाजर	गाजर
गाडो	बेलगाड़ी
गात	घात
गाळ	गाली
गिलास	गिलास
गेंचाताण	खीचतान
गेवर	एक प्रकार की मिठाई

घ

घंटी	घण्टी
घर	घर
घाट	घाट
घूंघटो	घूंघट

च

चकरी	चकरी
चक्कू	चाकू
चटक	नारियल का एक भाग
चड़क्यो	नस में जोर आना
चमक	चमकीला
चमचो	चम्मच
चमेली	चमेली का पैड़
चरवी	छोटा घड़ा
चराणो	चराना
चलऊ	काम चलाऊ
चवदस	चौदस
चसको	मजा
चाटणो	चाटना
चादरो	चद्दर
चाल	गति
चाल-चलण	चाल-चलन
चासणी	चासनी
चिंप्यो	चिमटा

चिंतरा चिथड़े
चींचड़ा पशुओं के लगने वाला किड़ा
चूक चूकना
चूरमो चूरमा

छ

छडई चढ़ाई
छण्टणी छँटनी
छतरी छाता
छा छाछ
छाल पैड़ के तने की छाल

ज

जऊँ जाना
जऊँकाँटो झाऊ चुहा
जमानो जमाना
जमी हेरे जमीन से सटा हुआ
जमेरी एक प्रकार का नींबू
जाई जाएगा
जागीर सम्पति
जाच जाँच
जाँज जहाँज
जात जाति
जामूण जामून (पेड़ का नाम)
जुआ जुआ
जुगाड़ जुगाड़

झ

झण्डो झण्डा
झरणो झरना
झाँझर पायजेब
झूँटलो झूठा व्यक्ति

टई टाई
टड्डो हाथ का आभुषण
टामेटर टमाटर
टाटलो गंजा
टाटी लकड़ी की फाटक
टिपन टिफिन
टिल्ली बिन्दी
टिसट टी-सर्ट
टीमरू पेड़ का नाम
टूँट्यो नकल करना (शादी की रस्म)

ठ

ठकठक एक प्रकार की आवाज
ठगारो ठग
ठटारो ठटेरा
ठट्यो स्थायी
ठप बंद
ठाँटरणो ठिठुरना
ठाड ठण्ड
ठालो बिना काम का व्यक्ति
ठाकणो ठिकाना
ठीकरा बरतन
ठीकरी मिट्टी के टूटे बर्तन का टुकड़ा
ठुमका ठुमका
ठूँटो ठूँठ
ठूसणो ठूसना

ड

डण्ड दण्ड
डमरू डमरू
डाकण डायन
डाड दाढ़ दाँत
डाडी दाढ़ी
डापाचूक भ्रमित
डाम खेल में दी जाने वाली सौगंध
डिण्डू कपास का डोडा
डींगळो पशुओं के गले में बाँधने वाली लकड़ी
डूँगर छोटा पहाड़
डुब्या डूबना

ढबणो रुकना
ढरम ड्रम
ढाँकणो ढक्कन
ढाळ्यो एक ढलान का कच्चा घर
ढींट हठी

त

तगारी तगारी
तस प्यास
तरवार तलवार
तामेड़ी बर्तन
तारा तारे
तितर तीतर
तूर तुअर दाल
तेवार त्यौहार

थ

थम्ब शादी की रस्म में लकड़ी का खम्भा
थम्बो लाइट का खम्भा
थरपणा नियुक्त करना, स्थापित करना
थापड़ी कण्डा
थूँ तुम
थूँक थूँक

द

दरपणी डर
दवई दवाई
दान दान
दीवो दीपक
दुजा दूसरा

ध

धकऊ काम चलाऊ
धक्को धक्का
धजा मन्दिर की ध्वजा
धड़ धार
धतुरो धतुरा
धन धन

धन्दो धंधा
धरम धर्म
धान गेहूँ की फसल

न

नई एक जाति
नक नाखुन
नकल नकल
नजर नजर
नत नथ
नळ नल
नामे नाम पर

प

पई पाई, पैसा
पछे बाद में
पतंग पतंग
पतळो पतला
पराणी हाथ में रखने वाली लकड़ी
परात परात
पानड़ो पत्ता
पावली पच्चीस पैसा

फ

फोगटचा बिना काम का

ब

बई माँ
बतक बतख
बटवो बटुआ
बापू पिता

भई भाई
भचके, भचाक जल्दी
भजन भजन
भनक पता चलना
भळको चमकिला
भावणो पसन्द आना
भुआ बुआ
भोपो देवरे का पुजारी

म

मटक मटकना
मटका मटका
मटकी छोटा मटका
मत विचार
मते-मते अलग-अलग
मन मन
मनक व्यक्ति
मनकी बिल्ली
मरच मिर्च
मावो मावा (मिठाई)
माचो खाट
माजणो धोना
मातरा मात्रा
मावरो अनुभव
मुकट मुकुट

र

रई 1 राई, सरसों
रई 2 गँवरी नृत्य
रचना बनाना
रऊ ग्रह का नाम
राजी मनऊ खुशी से
रोड़ सड़क

ल

लड़ोक लड़ाई करने वाला व्यक्ति
लाई लाना
लाड प्रेम
लाद घोडा, गधा और हाथी का गोबर
लापो थप्पड़ मारना
लारे साथ में
लुरो खुजली

वाघ बगीचा

वाँझड़ी बाँझ औरत

स

सई 1) स्याही 2) सही

सजा सज़ा

सबाऊँ पेल्याँ सबसे पहले

सूरमो सूरमा

ह

हऊजी सास

हाँच सच

हाँज साँयकाल

हाड़े नाड़े सक्षम

हाद गवाही

हाने धाने मोजूद

हेटे नीचे

मदत करबावाळा

क्र.सं.	नाम	पद	शिक्षा	स्थान	मोबाईल नं.
1.	श्री रतन लाल गाड़री	भाषा संयोजक, निर्माण सोसायटी, कपासन	B. A.	लाखों का खेड़ा, कपासन, चित्तौड़गढ	9001371564
2.	श्री राम सिंह चारण	भाषा संयोजक, निर्माण सोसायटी, कपासन	M.A.	हापाखेड़ी, कपासन, चित्तौड़गढ	9828087885
3.	श्री मति शैला डिसोजा	भाषा एवं शिक्षा सलाहकार	M. Ed.	उदयपुर, राजस्थान	9772045544
4.	श्री रॉयसन नॉरमन डिसोजा	भाषा वैज्ञानिक सलाहकार	M.A. Linguistics	उदयपुर, राजस्थान	9414557776
5.	श्री मति फेबा जोश	भाषा एवं शिक्षा सलाहकार	M.A., DECE	मध्यप्रदेश	8823868984
6.	श्री पूरण मल बैरवा	प्रोजेक्ट सुपरवाईजर, नरि्माण सोसायटी, चाकसू	B. Ed., MSW	चाकसू, जयपुर, राजस्थान	9982668204

7.	श्री अनूप पटेल	कार्यक्रम प्रबन्धक, निर्माण सोसायटी	MSW	उदयपुर, राजस्थान	6378826230
8.	श्री माधव लाल गाडरी	स्वयंसेवक	B. A.	तस्वारिया, कपासन, चित्तौड़गढ़	9001037754
9.	श्री नारायण लाल डाँगी	निदेशक, विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	M.A. B. Ed.	घासा, मावली, उदयपुर	9829923539
10.	श्रीमति बीना खटीक	अध्यापिका (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	M.A. B. Ed.	उदयपुर, राजस्थान	9079814524
11.	श्रीमति लता लोहार	अध्यापिका (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	D. El. Ed.	घासा, मावली, उदयपुर	9509223973
12.	श्रीमति मीना सेन	अध्यापिका (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	D. El. Ed.	घासा, मावली, उदयपुर	9785115726

13.	श्रीमति टीना वैरागी	अध्यापिका (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	B. A. M.A.	घासा, मावली, उदयपुर	9602577170
14.	श्री जितेन्द्र सिंह झाला	अध्यापक (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	M. A. BSTC	साडावास, मावली, उदयपुर	7726945547
15.	श्री सुरेश जोशी	संस्था प्रधान पब्लिक स्कूल उदयपुर	B. Com	मावली, उदयपुर	9314141023
16.	श्री विकास शर्मा	सहयोग कर्ता	B. Com	भीण्डर, उदयपुर	7737814278
17.	श्रीमती ईन्द्रा डांगी	अध्यापिका, (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	M. Com, Bed	घासा, मावली, उदयपुर	9785886034

18.	श्री देवी लाल मेघवाल	अध्यापक (विवेकानन्द निजी विद्यालय, घासा, मावली, उदयपुर	M. Com, D led	नोरड़ा, मावली, उदयपुर	9649288804
19.	श्री सुरेश चंद्र कीर	संस्था प्रधान निजी विद्यालय, थामला, मावली	M.A. D led	थामला, मावली, उदयपुर	9166948044
20.	श्री भगवान लाल	संस्था प्रधान निजी विद्यालय, पालवास, मावली	M.A. D led	पालवास, मावली, उदयपुर	9166024882

मेवाड़ की धरोहर

कपासण, चित्तोड़

☎01476-230014, 9660663776, 9001371564